

National Technology Day Celebrated at CSIR-Central Building Research Institute, Roorkee

Dainik Jagran

Date: 16-05-2018

Page 2

E-link: <http://epaper.jagran.com/epaperimages/16052018/dehradun/15ruk-pg4-0.pdf>

भूमिगत मेट्रो पर्यावरण अनुकूल प्रणाली

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य में सीबीआरआई में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

संवाद सहयोगी, रुड़की : सीएसआईआर केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की में मंगलवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एवं टंडन कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के प्रबंध निदेशक प्रो. महेश टंडन ने कहा कि शहरी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में मेट्रो का कोई विकल्प नहीं है। प्रौद्योगिकी विकास में भूमिगत मेट्रो ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण के लिए सबसे अनुकूल प्रणाली साबित हो रही है। यह प्रणाली अन्य सभी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों से कम कार्बन उत्सर्जित करती है।

मुख्य अतिथि प्रो. टंडन ने शहरी परिवहन संरचनाओं में स्थिरता विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए शहरी



सीबीआरआई रुड़की में आयोजित कार्यक्रम में त्रैमासिक द्विभाषी प्रकाशन का विमोचन करते अतिथि • जागरण

सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में मेट्रो के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। विशिष्ट अतिथि एवं वास्तुविद् डॉ. पीके दास ने कहा कि देश में विभिन्न ग्रामीण आवास तकनीकों से ग्रामीण क्षेत्रों में अगले पांच साल में 30 लाख मकानों

का निर्माण हो जाएगा। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। संस्थान के निदेशक डॉ. एन गोपालकृष्णन ने कहा कि पोखरण में नाभिकीय परीक्षणों से नाभिकीय आयुद्ध प्रौद्योगिकी में देश ने

महारथ हासिल की है। उन्होंने बताया कि त्रिशूल मिसाइल, स्वदेशी वायुयान हंसा-तीन के सफल परीक्षण उड़ान भरने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस घोषित किया था। जिसे प्रति वर्ष भारतीय तकनीकी साहस और प्रौद्योगिकी की उपलब्धियों के जश्न के रूप में मनाया जाता है।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान की त्रैमासिक द्विभाषी प्रकाशन सीबीआरआई न्यूज लेटर-भवनिका का विमोचन किया गया। इस मौके पर डॉ. एके मिश्रा, वैज्ञानिक सौमित्रा मैती, डॉ. पीके दास, डॉ. अतुल अग्रवाल, डॉ. सुवीर सिंह, के अरोड़ा, विनोद कुमार एवं नदीम अहमद आदि मौजूद रहे।



रुड़की में विचार गोष्ठी का शुभारम्भ करते मुख्य अतिथि प्रो. महेश टंडन। फोटो: देवेन्द्र

सीबीआरआई ने मनाया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

रुड़की, 15 मई (देवेन्द्र): केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर शहरी परिवहन संरचनाओं में स्थिरता विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि टंडन कंसल्टेंट्स के प्रबंध निदेशक प्रो. महेश टंडन ने सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में मेट्रो के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिक विकास के साथ मेट्रो निर्माण प्रणाली में भी नवीन

ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण अनुकूल तकनीक विकसित हुई है।

उन्होंने बताया कि भूमिगत मेट्रो प्रणाली अन्य सभी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों से कम कार्बन उत्सर्जित करती है। विशिष्ट अतिथि वास्तुविद डा. पी.के. दास ने भारत में विभिन्न ग्रामीण आवास निर्माण तकनीकों के बारे में जानकारी दी। संस्थान के निदेशक डा. एन. गोपालगुप्त ने सभी का स्वागत करते हुए सी.बी.आर.आई. की

विभिन्न वैज्ञानिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और भविष्य के लिए विज्ञान प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी दी। मुख्य वैज्ञानिक डा. ए. के. मिनोचा के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में संस्थान के त्रैमासिक सी.बी.आर.आई. न्यूजलेटर-भवनिका का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर डा. अतुल अग्रवाल, डा. सुवीर सिंह, विनोद कुमार, नदीम अहमद आदि मौजूद रहे।



सीबीआरआई में मना राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस



संस्थान की प्रत्रिका का विमोचन करते अतिथि। अमर उजाला

रुड़की (ब्यूरो)। सीबीआरआई में मंगलवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि एवं टंडन कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के प्रबंध निदेशक प्रो. महेश टंडन ने 'शहरी परिवहन संरचनाओं में स्थिरता' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। इस दौरान उन्होंने शहरी-सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में मेट्रो के महत्व के बारे में बताया। कहा कि प्रौद्योगिक विकास के साथ मेट्रो निर्माण प्रणाली में भी नवीन ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण अनुकूल तकनीक विकसित हुई है। विशिष्ट अतिथि एवं वास्तुविद् डॉ. पीके दास ने ग्रामीण आवास विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में अगले पांच वर्षों में तीस लाख मकानों के निर्माण होंगे। संस्थान के निदेशक डॉ. एन. गोपालकृष्णन ने धारणीय भविष्य के लिए विज्ञान प्रौद्योगिकी की जानकारी दी। मौके पर संस्थान के त्रैमासिक द्विभाषी प्रकाशन सीबीआरआई न्यूजलेटर भवनिका के नवीनतम संस्करण का विमोचन किया गया। मौके पर सौमित्रा मैती, डॉ. अतुल अग्रवाल, डॉ. सुवीर सिंह, के अरोरा, विनोद कुमार, नदीम अहमद आदि मौजूद रहे।

कम कार्बन उत्सर्जित करती है भूमिगत मेट्रो : प्रो. महेश टंडन

गोल्डन टाइम्स संवाददाता

रुड़की : सीएसआइआर केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की में मंगलवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एवं टंडन कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के प्रबंध निदेशक प्रो. महेश टंडन ने कहा कि शहरी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में मेट्रो का कोई विकल्प नहीं है। प्रौद्योगिकी विकास में भूमिगत मेट्रो ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण के लिए सबसे अनुकूल प्रणाली साबित हो रही है। यह प्रणाली अन्य सभी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों से कम कार्बन उत्सर्जित करती है।

मुख्य अतिथि प्रो. टंडन ने शहरी परिवहन संरचनाओं में स्थिरता विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए शहरी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में मेट्रो



के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। विशिष्ट अतिथि एवं वास्तु-विद् डॉ. पीके दास ने कहा कि देश में विभिन्न ग्रामीण आवास तकनीकों से ग्रामीण क्षेत्रों में अगले पांच साल में 30 लाख मकानों का निर्माण हो जाएगा। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। संस्थान के निदेशक डॉ. एन गोपालकृष्णन ने कहा कि

पोखरण में नाभिकीय परीक्षणों से नाभिकीय आयुद्ध प्रौद्योगिकी में देश ने महारथ हासिल की है। उन्होंने बताया कि त्रिशूल मिसाइल, स्वदेशी वायुयान हंसा-तीन के सफल परीक्षण उड़ान भरने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस घोषित किया था। जिसे प्रति वर्ष भारतीय तकनीकी साहस और

प्रौद्योगिकी की उपलब्धियों के जश्न के रूप मनाया जाता है। कार्यक्रम के दौरान संस्थान की त्रैमासिक द्विभाषी प्रकाशन सीवीआरआई न्यूज लेटर-भवनिका का विमोचन किया गया। इस मौके पर डॉ. एके मिश्रा, वैज्ञानिक सौमित्रा मैती, डॉ. पीके दास, डॉ. अतुल अग्रवाल, डॉ. स-वीर चसह, के अरोड़ा, विनोद कुमार एवं नदीम अहमद आदि मौजूद रहे।

शहरी परिवहन संरचनाओं में स्थिरता विषय पर व्याख्यान

आज समाचार सेवा

रुड़की। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रो. महेश टंडन, प्रबंध निदेशक, टंडन कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली ने शहरी परिवहन संरचनाओं में स्थिरता विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए शहरी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में मेट्रो के महत्व के बारे में बताया। सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिक विकास के साथ मेट्रो निर्माण प्रणाली में भी नवीन ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण अनुकूल तकनीक विकसित हुई है। उन्होंने बताया कि भूमिगत मेट्रो प्रणाली अन्य सभी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों से कम कार्बन उत्सर्जित करती है, जिसके कारण, न्यूनतम कार्बन उत्सर्जन के लिए विश्व में पहली बार भूमिगत मेट्रो प्रणाली के प्रयोग हेतु दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन को संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन द्वारा कार्बन क्रेडिट दिए गए। उन्होंने मेट्रो परिवहन प्रणाली के निर्माण प्रक्रिया को विस्तार पूर्वक समझाया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. पी. के. दास, वास्तुविद, स्टूडियो 1860, नॉएडा ने ग्रामीण आवास विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए भारत में

विभिन्न ग्रामीण आवास निर्माण तकनीकों एवं देश के ग्रामीण क्षेत्रों में अगले पांच वर्षों में तीस लाख मकानों के निर्माण की प्रधान मंत्री



ग्रामीण आवास योजना के बारे में जानकारी दी। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में, संस्थान के निदेशक डॉ. एन. गोपालकृष्णन ने सभी का

स्वागत करते हुए सीएसआईआर-सीबीआरआई की विभिन्न वैज्ञानिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के विषय धारणीय भविष्य के लिए विज्ञान प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर संस्थान के त्रैमासिक द्विभाषी प्रकाशन सीबीआरआई न्यूजलेटर - भवनिका के नवीनतम संस्करण का विमोचन किया गया। डॉ. ए. के. मिनोचा, मुख्य वैज्ञानिक ने कार्यक्रम का संचालन किया और मुख्य अतिथि प्रो. महेश टंडन का औपचारिक परिचय तथा सौमित्रा मैती, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने विशिष्ट अतिथि डॉ. पी. के. दास का औपचारिक परिचय और धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. अतुल अग्रवाल, डॉ. सुवीर सिंह, के. अरोरा, विनोद कुमार, नदीम अहमद आदि मौजूद रहे।

सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में मेट्रो ज्यादा कारगर : महेश

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

रुड़की।

यहां केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में मंगलवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर मुख्य अतिथि टंडन कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली प्रबंध निदेशक प्रो. महेश टंडन ने 'शहरी परिवहन संरचनाओं में स्थिरता' विषय पर व्याख्यान में शहरी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में मेट्रो के महत्व के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी विकास के साथ मेट्रो निर्माण प्रणाली में भी नवीन ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण अनुकूल तकनीक विकसित हुई है। उन्होंने

कहा कि भूमिगत मेट्रो प्रणाली अन्य सभी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों से कम कार्बन उत्सर्जित करती है, जिस कारण, न्यूनतम कार्बन उत्सर्जन के लिए विश्व में पहली बार भूमिगत मेट्रो प्रणाली के प्रयोग के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन को संयुक्त

राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन द्वारा कार्बन क्रेडिट दिए गए। उन्होंने मेट्रो परिवहन प्रणाली के निर्माण प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक समझाया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डा. पीके दास, वास्तुविद, नोएडा ने 'ग्रामीण आवास' विषय पर व्याख्यान में विभिन्न ग्रामीण आवास निर्माण तकनीक एवं 30 लाख मकानों के निर्माण की प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि शोधकर्ताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, पारम्परिक ज्ञान कुशल मजदूरों, उद्योग और युवा वास्तुकारों, सभी को रोजगार

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में कार्यशाला

एवं विकास का अवसर प्राप्त होगा।

संस्थान के निदेशक डा. एन. गोपाल कृष्णन ने सबका स्वागत करते हुए सीबीआरआई की विभिन्न वैज्ञानिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और 'धारणीय भविष्य के लिए विज्ञान प्रौद्योगिकी' के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पोखरण में नाभिकीय परीक्षणों द्वारा नाभिकीय आयुद्ध



रुड़की : प्रौद्योगिकी दिवस समारोह का शुभारंभ करते निदेशक व अतिथि।

प्रौद्योगिकी में महारथ हासिल करने, स्वदेश विकसित त्रिशूल मिसाइल परिक्षण फायरिंग तथा 'स्वदेशी वायुयान हंसा-3 की सफल परीक्षण उड़ान के गर्व में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस घोषित किया गया।

इस अवसर पर संस्थान के त्रैमासिक

द्विभाषी प्रकाशन 'सीबीआरआई न्यूजलेटर - भवनिका' के नवीनतम संस्करण का विमोचन किया गया। डा. एके मिश्रा, मुख्य वैज्ञानिक ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इस मौके पर डा. सौमित्र मैती, डा. अतुल अग्रवाल, डा. सुवीर सिंह, के. अरोरा, विनोद कुमार, नदीम अहमद आदि मौजूद रहे।

E-link: <http://www.awamehind.com/news/index.php/awam-e-hind-e-paper?view=page&tmpl=component&layout=detail&id=18349&cid=4&eid=1&dt=2018-05-16>

सीबीआरआई में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह का आयोजन



मनोज अग्रवाल

रुड़की। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रो. महेश टंडन, प्रबंध निदेशक, टंडन कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली ने 'शहरी परिवहन संरचनाओं में स्थिरता- विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए शहरी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में मेट्रो के महत्व के बारे में बताया। सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिक

विकास के साथ मेट्रो निर्माण प्रणाली में भी नवीन ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण अनुकूल तकनीक विकसित हुई है। उन्होंने बताया कि भूमिगत मेट्रो प्रणाली अन्य सभी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों से कम कार्बन उत्सर्जित करती है, जिसके कारण, न्यूनतम कार्बन उत्सर्जन के लिए विश्व में पहली बार भूमिगत मेट्रो प्रणाली के प्रयोग हेतु दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन को संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन प्रेमवर्क कन्वेंशन द्वारा कार्बन क्रेडिट दिए गए। उन्होंने मेट्रो परिवहन प्रणाली

के निर्माण प्रक्रिया को विस्तार पूर्वक समझाया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. पी. के. दास, वास्तुविद, स्टूडियो 1860, नॉएडा ने 'ग्रामीण आवास- विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए भारत में विभिन्न ग्रामीण आवास निर्माण तकनीकों एवं देश के ग्रामीण क्षेत्रों में अगले पांच वर्षों में तीस लाख मकानों के निर्माण की प्रधान मंत्री ग्रामीण आवास योजना के बारे में जानकारी दी।

अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में, संस्थान के निदेशक डॉ. एन. गोपालकृष्णन ने सभी का स्वागत करते हुए सीएसआईआर-सीबीआरआई की विभिन्न वैज्ञानिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के विषय 'धारणीय भविष्य के लिए विज्ञान प्रौद्योगिकी' के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर संस्थान के त्रैमासिक द्विभाषी प्रकाशन सीबीआरआई न्यूजलेटर - भवनिका के नवीनतम संस्करण का विमोचन किया गया।

E-link: <http://epaper.livehindustan.com/epaperimages/16052018/16052018-RRK-DDN-10.PDF>

शहरी परिवहन संरचनाओं में स्थिरता पर विचार गोष्ठी

रुड़की। केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रो.महेश टंडन, प्रबंध निदेशक, टंडन कंसलटेंट्स नई दिल्ली ने शहरी परिवहन संरचनाओं में स्थिरता विषय पर विचार रखे। उन्होंने शहरी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में मेट्रो के महत्व की जानकारी दी। कहा कि प्रौद्योगिक विकास के साथ मेट्रो निर्माण प्रणाली में भी नवीन ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण अनुकूल तकनीक विकसित हुई है। उन्होंने मेट्रो परिवहन प्रणाली के निर्माण प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक समझाया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि वास्तुविद् डॉ. पीके दास ने ग्रामीण आवास विषय पर विचार व्यक्त करते हुए भारत में विभिन्न ग्रामीण आवास निर्माण तकनीकों एवं देश के ग्रामीण क्षेत्रों में अगले पांच वर्षों में तीस लाख मकानों के निर्माण की प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के बारे में जानकारी दी। कहा कि धारणीय, पर्यावरण अनुकूल एवं सस्ते ग्रामीण आवास तकनीकों के विकास के लिए हमें स्थानीय पारंपरिक निर्माण ज्ञान का आधुनिक विश्लेषण करते हुए नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास करना होगा। निदेशक डॉ. एन गोपालकृष्णन ने सभी का स्वागत करते हुए सीएसआईआर की विभिन्न वैज्ञानिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एके मिनोचा ने किया। इस अवसर पर सौमित्रा मैती, डॉ. अतुल अग्रवाल, डॉ. सुवीर सिंह, के अरोरा, विनोद कुमार, नदीम अहमद आदि मौजूद रहे।